लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 16-30 नवंबर 2021 www.haryanasamvad.gov.in अंक -30

"सहनशील होना अच्छी बात है लेकिन अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है।"
: जयशंकर प्रसाद

अक्तूबर, 2022 तक संचालित होगा हिसार एयरपोर्ट

2

रोज़गार की संभावनाओं का विस्तार

4

गुरु नानक की समन्वयशीलता

7

अमृत महोत्सव

आजादी की लड़ाई में हरियाणा का अविस्मरणीय योगदानः मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि

आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में देश भर में 'अमृत महोत्सव' कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों का उद्देश्य उन वीर शहीदों को याद एवं नमन करना है जिनके बलिदान के परिणामस्वरूप आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीरों की गाथाएं निःसंदेह प्रत्येक नागरिक के लिए राष्ट्रीयता की भावना का बोध कराती हैं।

'अमृत महोत्सव' कार्यक्रमों की श्रृंखला में चंडीगढ़ स्थित टैगोर थियेटर में '1857 का संग्राम-हरियाणा के वीरों के नाम' नाटक का मंचन किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सन 1857 की क्रांति आजादी के आंदोलन की वह कीर्ति गाथा है, जिसे पढ़ और सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आजादी की लड़ाई में हरियाणा का अविस्मरणीय योगदान रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह क्रांति सबसे पहले अम्बाला छावनी से ही शुरू हुई थी। मेरठ में क्रांति शुरू होने से नौ घंटे पहले, यानि 10 मई, 1857 को हरियाणा के वीर सैनिक अपने चारों अस्त्र-शस्त्रों से पूरी तरह लैस होकर फिरंगियों से जा टकराए। क्रांति की उस नन्ही चिंगारी ने नौ घंटे बाद ही शोलों का रूप ले लिया ।

उन्होंने कहा कि आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो ऐसे में '1857 का संग्राम-हरियाणा के वीरों के नाम' नाटक का मंचन अत्यंत सराहनीय प्रयास है। यह नाटक उन्हीं वीरों की कुर्बानियों की कहानी का सजीव चित्रण आपके सामने प्रस्तुत करता है। यह पहली बार है जब राजा नाहर सिंह और राव तुला राम सहित हरियाणा के बहादुर सैनिकों द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान को उजागर करने वाले इस तरह के नाटक का मंचन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहला या दूसरा विश्व युद्ध, 1965 या 1971 का भारत-पाक युद्ध, 1962 में चीन के साथ हुआ रेजांगला युद्ध या कारगिल का 'ऑपरेशन विजय' हो, हरियाणा के सैनिकों ने हमेशा अपने खून से इतिहास लिखा है। उन्होंने कहा कि देश की आबादी का केवल 2 प्रतिशत होने के बावजूद सेना में हर 10वां सैनिक हरियाणा से है।

हिन्दी भाषा ने हथियार के रूप में काम किया था

स्वतंत्रता की लड़ाई में हिंदी भाषा ने हथियार के रूप में काम किया था। हिंदी भाषा के माध्यम से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जन-जन को स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा और देश में स्वतंत्रता प्राप्ति की लहर उठ खड़ी हुई थी। परिणामस्वरूप देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ।

विश्व में लगभग 65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं। जिनमें भारत में 45 करोड़ से भी अधिक लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी एक राष्ट्रभाषा है। देश की आजादी के योगदान के साथ-साथ भारतीय प्राचीन सभ्यता व संस्कृति की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने में हिंदी भाषा का अपना स्थान रहा है। केंद्र सरकार ने हिंदी भाषा में आधुनिक प्रचलन के नए शब्दों को जोड़कर हिंदी के विकास के लिए कार्य किया है।

हरियाणा प्रदेश में हिंदी आंदोलन-1957 के 205 मातृभाषा सत्याग्रहियों को 10,000 रुपए मासिक पेंशन दी जा रही है।

डिजिटल प्रदर्शनी में है नायकों का जिक्र

हरियाणा के सूचना जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ.अमित अग्रवाल ने कहा कि अमृत महोत्सव को हरियाणा में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप अनूठे ढंग से मनाया जा रहा है।

हरियाणा में आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन की शुरुआत 12 मार्च, 2021 से की गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 'आजादी के आंदोलन में हरियाणा का योगदान' विषय पर चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम में स्थानीय व गुमनाम नायकों से संबंधित लेखों एवं फोटोज के साथ-साथ वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के बाद से अब तक हरियाणा में हुए विकास की तुलनात्मक जानकारी उपलब्ध करवाई गई है। सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग को आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन के लिए नोडल विभाग बनाया गया है।

अंबाला में युद्ध स्मारक

आजादी की प्रथम चिंगारी मेरठ से शुरू न होकर हरियाणा के अम्बाला से शुरू होने के सबूत गजट व अन्य दस्तावेजों में दर्ज हैं। अम्बाला में दिल्ली-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर 22 एकड़ भूमि पर लगभग 300 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा एक भव्य युद्ध स्मारक का निर्माण करवाया जा रहा है और यह मई, 2022 तक बनकर तैयार होना अपेक्षित है।

इसके अलावा, हरियाणा के महान सपूत राव तुलाराम द्वारा जिला महेंद्रगढ़ के नसीबपुर में अंग्रेजों का डटकर मुकाबला करने की गाथा को याद करते हुए वहां 41 कनाल भूमि पर जल्द ही एक स्मारक बनाया जाएगा।

राष्ट्रपति भवन में हरियाणा की योजनाओं की प्रशंसा

प्रदेश सरकार स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, फिट इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रर्मों को बढ़ावा दे रही है। कौशल विकास मिशन के तहत हरियाणा में 80 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। जिससे आत्मनिर्भर भारत के कार्यक्रमों को और मजबूती मिली है। इसके साथ-साथ हरियाणा में ''सुपर-100'' कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जे.ई.ई और एन.ई.ई.टी की परीक्षा की कोचिंग दी जा रही है। इस कार्यक्रम के तहत कोचिंग लेने वाले 54 छात्र जे.ई.ई और एन.ई.ई.टी की परीक्षा में पास हुए हैं। जिनमें से 26 छात्रों का तो आई.आई.टी. में दाखिला हुआ है।

हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जिसमें 2025 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्ण रूप से लागू करने का निर्णय लिया है। नई शिक्षा नीति के तहत ही विश्वविद्यालयों में के.जी से पी.जी तक की पढ़ाई की व्यवस्था भी शुरू की जा रही है।

प्रदेश में मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, भावान्तर भरपाई योजना जैसी कई किसान हितैषी योजनाएं शुरू की गई हैं। प्रदेश में 500 किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ) भी गठित किए गए हैं जिनसे 77,000 से अधिक किसानों को जोड़ा गया है।

सरकार और जनता के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 'सी.एम. वेबपोर्टल' सी.एम. विंडो जैसी ई-सेवाएं शुरू की गई हैं। सरकार द्वारा वर्ष 2021 को ''सुशासन परिणाम वर्ष'' के रूप में मनाया जा रहा है। ई-गवर्नेंस के तहत अंत्योदय सरल पोर्टल पर 42 विभागों की 547 योजनाएं व सेवाएं ऑनलाइन शुरू की गई है। जिनके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं तथा भ्रष्टाचार पर भी रोक लगी है। लाल डोरा मुक्त योजना लागू होने से गांव की सम्पत्ति को विशेष पहचान मिलने के साथ-साथ भूमि मालिकों को मालिकाना हक मिला है। इस योजना को बाद में ''प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना'' के नाम से पूरे देश में शुरू किया गया है। इसके साथ-साथ हरियाणा में 2500 रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन भी दी जा रही है।

ई-सेवाओं के माध्यम से पूरे प्रदेश में सुशासन स्थापित किया गया है। हरियाणा देश में 'परिवार पहचान पत्र' बनाने, 'आयुष्मान भारत-जन आरोग्य योजना' का लाभ देने, अंतर्राज्यीय परिषद् की तर्ज पर अंतर जिला परिषद का गठन करने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन का वितरण करने वाला भी पहला राज्य है।

बेहतर कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में बोलते हुए कहा कि राज्य में डायल-112 सेवा शुरू की गई है जो चौबीसों घंटे काम कर रही है। पहले 500 घंटों में 25,826 लोगों की कॉल अटेंड की गई और विभागीय टीम ने तुरंत रिस्पांस भी किया है।

राष्ट्रपति भवन में महामहिम रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में हरियाणा की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आगे बताया कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ''खेलो इंडिया की तर्ज पर 'खेलो हरियाणा' शुरू किया गया है। हरियाणा ने खेलों में देश का नाम रोशन किया है। टोक्यो ओलम्पिक और पैरालम्पिक में सबसे अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं।

-संवाद ब्यूरो

संपादकीय

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकल्प

हरियाणा के सांस्कृतिक क्षेत्र में नवंबर व दिसंबर में व्यापक स्तर पर समारोहों को आयोजित किया जा रहा है। यह वस्तुतः एक सुखद खबर है। इसी 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चलने वाला कपाल मोचन मेला, आदिबद्री को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय और उसके पश्चात व्यापक स्तर पर चलने वाला गीता-महोत्सव इस सांस्कृतिक हलचल का मुख्य केंद्र बने रहेंगे।

इस संबंध में स्वयं मुख्यमंत्री की गहरी रूचि प्रदेश सरकार की सांस्कृतिक-प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इन सभी स्थलों पर स्वास्थ्य-निरीक्षण केंद्र भी स्थापित होंगे ताकि कोविड-19 के दृष्टिगत पूरा जागरुकता का माहौल बना रहे। इसी के अंतर्गत 100 बिस्तर का 'कंटेनमेंट केंद्र' भी स्थापित किया जा रहा है।

उधर, आदिब्रद्री को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना के तहत जगाधरी के स्थायी बस सेवा भी आरंभ की जा रही है। राज्य सरकार ऐसे सभी मेलों एवं आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों के समुचित रखरखाव के लिए वर्ष में दो बार नियमित रूप में 'श्राइन-बोर्ड' की बैठकें आयोजित करेगी ताकि सभी योजनाएं सुचारू रूप में चलें।

यहां यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि सरस्वती व उद्गम स्थल माने जाने वाले आदिब्रद्री स्थल का समुचित विकास और सरस्वती की धाराओं के पुनरुद्धार को राज्य सरकार अपनी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रतीक मानती है।

- डा चंद्र त्रिखा

अक्तूबर, 2022 तक संचालित होगा हिसार एयरपोर्ट

हिसार में आगामी अक्तूबर, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित कर दिया जाएगा जिसके तहत हवाई जहाजों का आवागमन शुरू होगा। यह जानकारी हिसार में बनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दी गई। बैठक में उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और विधायक कमल गुप्ता भी उपस्थित थे।

क्या होगा ख़ास

» सितंबर, 2022 तक एयरपोर्ट में लाइटिंग का कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा।
» हिसार एयरपोर्ट पर आने व जाने के लिए मिर्चापुर व डुंडूरपुर पर क्लोवर कनैक्टिविटी का एक प्रस्ताव तैयार किया जाएगा और इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा ताकि सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।
» हिसार एयरपोर्ट पर अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट्स को भी पार्किंग करने की सुविधा उपलब्ध होगी।
» एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग टर्मिनलों का निर्माण किया जाएगा जिनका दिसंबर के अंत तक डिजाइन तैयार कर दिया जाएगा।
» एयरपोर्ट पर ट्रेन या मैट्रो की सुविधा देने पर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो।
» एयरपोर्ट पर एक मैन्युफैक्चरिंग हब भी प्रस्तावित है ताकि यहां पर विशेष प्रकार के उद्योगों को स्थापित किया जा सके और राज्य के युवाओं को रोज़गार मिल सके।

वरदान साबित हो रही है गांव जुआं की लाइब्रेरी

विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई का जो माहौल स्कूल, कॉलेज व घर पर नहीं बन पाता वह माहौल लाइब्रेरी में बन जाता है। बहुत से विद्यार्थी समय व पैसा खर्च कर इस माहौल को प्राप्त करने के लिए शहर जाते हैं। सोनीपत के गांव जुंआ में अतुल्य लाइब्रेरी समिति द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से पिछले पांच वर्ष से लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है।

इस आधुनिक लाइब्रेरी में जुंआ व आस-पास के छह गांव के विद्यार्थी अपना भविष्य संवार रहे हैं। लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। लाइब्रेरी में कम्प्यूटर की सुविधा व वातानुकुलित क्षेत्र भी है। सुरक्षा के मध्य नज़र जहां सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं वहीं महिला व पुरूष के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था की गई है।

लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों की 1800 किताबें मौजूद हैं। कुछ किताबे समिति व कुछ प्रदाताओं द्वारा दी गई हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा भी लाइबेरी में किताबों का सहयोग मिला है। लाइब्रेरी में मौजूद इन किताबों में कंपीटिशन परीक्षा, मेडिकल, इंजीनियरिंग के अलावा धार्मिक किताबें शामिल हैं। लाइब्रेरी में हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिंदी व संस्कृत के शब्द कोष भी उपलब्ध हैं। समिति द्वारा लाइब्रेरी में कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए ड्रेस कोड भी लागू किया गया है।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

सोनीपत में होगी राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में राज्य सरकार द्वारा बनाई गई खेल नीति की अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। इसी कड़ी में देश की जानी-मानी तलवारबाज व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भवानी देवी ने आज मुख्यमंत्री से ऑनलाइन मीटिंग में अपने विचार खुलकर व्यक्त किए। ओलंपिक खेलों में भागीदारी करने वाली भवानी देवी देश की पहली महिला तलवारबाज हैं। उसने इस बार भारत की तरफ से टोकियो-ओलंपिक खेलों में अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल से वर्चुअल मीटिंग में हरियाणा सरकार की खेल-नीति से भवानी देवी काफी प्रभावित नजर आई। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आगामी 25 दिसंबर से 28 दिसंबर 2021 तक सोनीपत में राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता आयोजित करने की पहल की सराहना की और कहा कि हरियाणा कुश्ती, बॉक्सिंग, कबड्डी जैसे खेलों में तो पहले ही अग्रणी था, इस तलवारबाजी की राष्ट्रीय प्रतियोगिता से हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश में तलवारबाजी के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

भवानी देवी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के तलवारबाजी के प्रति लगाव को सराहा और कहा कि ऐसा पहली बार है कि किसी राज्य का मुख्यमंत्री तलवारबाजी जैसे पारंपरिक खेल के लिए इतनी रूचि ले रहा है। उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री को पेरिस-ओलंपिक खेलों में तलवारबाजी में मैडल लाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के बेहतरीन प्रयासों से भविष्य में ओलंपिक खेलों में और अधिक मैडल आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कामधेनु गोशाला सदन पिंजौर स्थित अनुसंधान केंद्र का दौरा किया। उन्होंने यहां वैकल्पिक खाद से जुड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण किया तथा गो पूजन के बाद गायों को हरा चारा खिलाया।

विदेशों के अग्रणी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे राज्य के छात्रों के साथ वीडियो कान्फ्रैंसिंग में मनोहर लाल ने कहा कि उनका 'विदेश सहयोग विभाग' विश्व स्तर पर उन अवसरों की तलाश कर रहा है जो प्रदेश के विकास को गति दे सकते हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक

सुशासन की दिशा में बढ़ते कदम

संवाद ब्यूरो

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में गत दिनों हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक आहूत की गई जिसमें अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास को सहज व सरल करने तथा राज्य सरकार के प्रशासनिक कार्यों के सुधार के लिए 'कार्य मूल्यांकन मानदंड' और 'स्टाफिंग नीति' सृजित करने के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। हरियाणा में फार्मासिस्ट के पद के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता में समानता लाने के लिए हरियाणा स्वास्थ्य विभाग फार्मासिस्ट (ग्रुप-सी) सेवा नियम, 1998 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। मनरेगा में कुछ संशोधन व तालाबों के जीर्णोद्धार के कार्यों में तेजी लाने के लिए भी कुछ ठोस कदम उठाने संबंधी निर्णय पारित हुए।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम विकास शुल्क प्रावधान

हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021 को स्वीकृति प्रदान की गई है। परिषद की संरचना और परिषद द्वारा अपने कार्यों के निर्वहन के लिए पालन की जाने वाली प्रक्रिया हेतु प्रावधान किया गया है। समय लेने वाली प्रक्रिया से बचने के लिए, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों ने वसूली के आसान और त्वरित तरीके की मांग उठाई थी। तदनुसार, भू-राजस्व के बकाया के रूप में अवार्ड राशि की वसूली के प्रावधान को शामिल करने के लिए मसौदा नियम 'हरियाणा सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद नियम, 2021' तैयार किया गया है।

मामलों की सुनवाई के दौरान उत्पन्न होने वाली कानूनी जटिलताओं से निपटने के लिए महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम, पंचकूला के स्थान पर न्याय प्रशासन विभाग, हरियाणा के एक अधिकारी को शामिल करके परिषद की संरचना में बदलाव किया गया है।

राजकीय कामकाज की निगरानी

सरकारी कार्यालयों के लिए सहायक और शाखा के कार्य मूल्यांकन के लिए 'कार्य मूल्यांकन मानदंड' और 'स्टाफिंग नीति' सृजित करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रशासनिक सुधार विभाग की स्टाफ निरीक्षण इकाई द्वारा राज्य में सभी विभागों के कार्य-अध्ययन के संचालन के लिए कार्य मूल्यांकन मानदंड और प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा। 'स्टाफिंग नीति' राज्य में सरकारी कार्यालयों के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के नए पद सृजित करने के लिए मानदंड तय करेगी।

प्रारंभिक चरण में एक नव सृजित शाखा/विभाग के लिए अधिकारी (अधिकारियों) और कर्मचारी (कर्मचारियों) उपलब्ध करने के लिए सिफारिशों के मानदंडों के अनुसार स्टाफ निरीक्षण इकाई की सिफारिशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और राज्य में सभी विभागों के काम-काज के आवधिक मूल्यांकन की व्यवस्था करके राज्य में सरकारी विभागों के कार्य की निगरानी व समीक्षा करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक अधिकार प्राप्त समिति गठित की जाएगी ताकि विभागों में किफ़ायती और प्रभावी कामकाज सुनिश्चित किया जा सके।

मनरेगा में संशोधन

मुख्य कार्यकारी अधिकारी को मनरेगा योजना का जिला कार्यक्रम समन्वयक पदनामित करने के संबंध में हरियाणा ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना, 2007 में संशोधन करने से संबंधित एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य के सभी जिलों की सभी ग्राम पंचायतों को पहली अप्रैल, 2008 से इस योजना के तहत कवर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 14 जून, 2019 को विकास एवं पंचायत विभाग और ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया था कि जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (डीआरडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण किया जाएगा।

फार्मासिस्ट की न्यूनतम योग्यता

हरियाणा में फार्मासिस्ट के पद के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता में समानता लाने के लिए बैठक में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग फार्मासिस्ट (ग्रुप-सी) सेवा नियम, 1998 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। संशोधन के अनुसार अब स्वास्थ्य विभाग में फार्मेसी अधिकारी के पद पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञान (भौतिकी और रसायन विज्ञान) के साथ 10+2, पंडित भागवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक या हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य संस्थान से फार्मेसी में स्नातक (चार वर्षीय की डिग्री) या फार्मेसी में स्नातक (अभ्यास) या फार्मा डी (छः वर्षीय की डिग्री) की शैक्षणिक योग्यता और अनुभव, यदि कोई है, निर्धारित की गई है। उम्मीदवार हरियाणा राज्य फार्मेसी परिषद के साथ एक फार्मासिस्ट के रूप में पंजीकृत होना चाहिए।

उड़ानों पर वैट की एक प्रतिशत रियायत

एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट को तर्कसंगत बनाने से संबंधित एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत पहली अगस्त, 2018 से तीन वर्ष की अवधि के लिए 'उड़ान' फलाइट्स पर एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट की एक प्रतिशत रियायती दर लागू है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और मुख्यमंत्री के बीच 13 अक्तूबर, 2021 को एक बैठक हुई थी, जिसमें देशभर में कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में सभी यात्री उड़ानों पर वैट की एक प्रतिशत रियायती दर लागू करने का निर्णय लिया गया था।

तालाबों का जीर्णोद्धार

हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण अधिनियम, 2018 में द्वितीय संशोधन के लिए अध्यादेश लाने के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण ने तालाबों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ तालाबों में बहने वाले ग्रे पानी के उपचार के लिए विभिन्न उपायों के अलावा, वर्तमान में ग्रे जल प्रबंधन, जो जल-जीवन मिशन के तहत भारत सरकार का सबसे महत्वपूर्ण मिशन है, के तहत 2,247 गांवों के 4,559 प्रदूषित तालाबों की बहाली और कायाकल्प का कार्य भी कर रहा है। राज्यभर में इन तालाबों की योजना और भौतिक प्रगति का कार्य चल रहा है ताकि राज्य के कई जिलों के भूमिगत जल की चिंताजनक स्थिति से निपटा जा सके।

वेतन और भत्ते के हकदार

द्वितीय हरियाणा राज्य विधि आयोग के गठन से संबंधित अधिसूचना के पैरा 6(बी) में संशोधन करने के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। 26 मई, 2021 को जारी अधिसूचना के पैरा 6(बी) के अनुसार, सेवारत न्यायिक अधिकारी के मामले में, पहले पूर्णकालिक सदस्य ऐसे वेतन और भत्ते के हकदार होंगे, जो वे पहले से ही प्राप्त कर रहे हैं और सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी के मामले में, वे अपने अंतिम प्राप्त वेतन के हकदार होंगे।

कुछ अहम प्रस्तावों को मंजूरी

- हरियाणा वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत अगले छः महीनों के लिए मुख्यमंत्री को मंत्रिपरिषद की शक्तियां प्रदान के संबंध में आबकारी एवं कराधान विभाग के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।
- गुरुग्राम महानगरीय विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2017 (2017 का अधिनियम संख्या 34) की धारा 56 के तहत नियम बनाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।
- विकास योजना क्षेत्र में भूमि एकत्रीकरण और बाह्य विकास कार्यों एवं आधारभूत संरचना के विकास के लिए हस्तांतरणीय विकास अधिकार जारी करने और उपयोग करने की नीति को स्वीकृति प्रदान की गई।
- परिवहन विभाग के कर्मचारियों की सेवा शर्तों के संचालन और कार्य प्रणाली में दक्षता एवं सुधार लाने के लिए परिवहन विभाग हरियाणा (ग्रुप-सी) सेवा नियम, 2021 को स्वीकृति प्रदान की गई।
- कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के हरियाणा अधीनस्थ कृषि (ग्रुप सी) सेवा नियम, 1993 और हरियाणा कृषि (ग्रुप बी) सेवा नियम, 1995 में संशोधन करने से संबंधित एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।
- हरियाणा सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ अभियंता और अपर उपमण्डल अभियंता (ग्रुप ग) सेवा नियम, 2014 को संशोधित करने की मंजूरी प्रदान की गई है।
- हरियाणा अनिवार्य विवाह पंजीकरण अधिनियम, 2008 के प्रशासन के विषय को नागरिक संसाधन सूचना विभाग (सीआरआईडी) को हस्तांतरित करने के एक प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।
- सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के लिए राज्य में भूमि के बाजार मूल्य निर्धारण की नीति को स्वीकृति प्रदान की गई।
- हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम, 1975 (1975 की अधिसूचना संख्या 8) की धारा 9क के तहत 19 अगस्त, 2013 को अधिसूचित किफ़ायती आवास नीति, 2013 में संशोधन को स्वीकृति प्रदान की गई।
- राज्य में खनन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए हरियाणा राज्य की 'वन टाइम सेटलमेंट योजना' को मंजूरी दी गई।

प्रदेश में 950 करोड़ की लागत से 12 नए बाईपास बनवाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल में 284 करोड़ की 9 परियोजनाएं और 225 करोड़ की तीन परियोजनाओं समेत करीब 500 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

केएमपी और केजीपी का 135 किलोमीटर का रास्ता रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ है। पलवल से कुंडली तक ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर मंजूर हुआ है, जो जल्द बनेगा। एक नेशनल हाइवे पानीपत से डबवाली के लिए भी मंजूर हुआ है जो जल्द बनेगा।

रोज़गार की संभावनाओं का विस्तार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि हरियाणा एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरा है, क्योंकि सभी प्रमुख कंपनियों ने अपनी मुख्य कार्यालय यहां पर बनाए हैं। उद्योग के अनुकूल नीतियों ने कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों और औद्योगिक इकाइयों को हरियाणा में अपने व्यवसाय और विस्तार योजनाओं को स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं।

संवाद ब्यूरो

हरियाणा सरकार प्रदेश में रोजगार को बढावा देने के लिए कृतसंकल्प है। 'आत्मनिर्भर' बनने की दिशा में न केवल प्रदेश में बल्कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमों को लचीला बनाया गया है तथा नई योजनाएं बनाई जा रही हैं। परिणाम स्वरूप विदेशी निवेश बढ़ा है और बड़ी कंपनियों ने हरियाणा का रुख किया है। निश्चित रूप से कहा जा सका है कि इसके आने वाले समय में सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे।

हरियाणा में स्थानीय उम्मीदवारों को रोजगार अधिनियम, 2020 लागू करके प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले जा रहे हैं। इस अधिनियम को रोजगार के क्षेत्र में लैंडमार्क बताते हुए विभागीय मंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्राइवेट कंपनी, ट्रस्ट, सोसायटी आदि सभी संस्थानों को 'हरियाणा उद्यम मैमोरेंडम' पोर्टल पर 15 जनवरी 2022 तक पंजीकरण करके अपने-अपने कर्मचारियों का विवरण भरने के निर्देश दिए गए हैं। अभी तक 16,000 कंपनियों ने स्वयं को पंजीकृत किया है। उन्होंने बताया कि अधिनियम लागू हो गया है। वर्तमान में राज्य के चार बड़े शहरों में उद्योगों का सर्वे किया जा रहा है, यह पूरा होने के बाद शेष राज्य में भी सर्वे किया जाएगा।

हरियाणा सरकार प्रदेश में एमएसएमई के लिए एक विशेष योजना बनाएगी जिसके तहत प्रत्येक ब्लॉक में छोटे 'एमएसएमई इंडस्ट्रियल पार्क' बनाए जाएंगे ताकि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों तथा लोकल-प्रोडक्ट को निर्यात करने के लिए प्रोत्साहन मिल सके।

-दुष्यंत चौटाला, उप मुख्यमंत्री, हरियाणा

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उक्त अधिनियम को बनाने व लागू करने से पहले राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों से भी विचार-विमर्श किया गया है। प्रदेश में नया स्टार्टअप तथा नई आईटी कंपनी शुरू करने वालों को इस अधिनियम में 2 वर्ष के लिए रियायत दी गई है। कौशल विभाग, उद्योग विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आईटीआई, पोलिटेक्निक आदि को नई तकनीक के साथ अपग्रेड किया जाएगा ताकि राज्य में उद्योगों को प्रशिक्षित कौशलयुक्त युवा रोजगार के लिए मिल सकें।

एमएसएमई औपचारिकता और समावेशन

राज्य में एक जीवंत एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और सूक्ष्म उद्यमिता को सशक्त बनाने के लिए के उद्देश्य से, राज्य हक़ दर्शक एंपावरमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (एचईएसपीएल) के साथ सहयोग कर रहा है। पायलट चरण में एचईएसपीएल छह पायलट जिलों में 5,000 से अधिक एमएसएमई के साथ काम करेगा ताकि एमएसएमई के लिए कल्याणकारी योजनाओं को और अधिक सुलभ बनाया जा सके और विभिन्न सरकारी योजनाओं को खोजने, आवेदन करने और लाभ उठाने में उनकी मदद की जा सके।

हरियाणा और अफ्रीका के मध्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश

हरियाणा राज्य और अफ्रीकी महाद्वीप के देशों के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए पंचकूला में दो दिवसीय 'हरियाणा-अफ्रीका कॉन्क्लेव, सीरीज-1' का आयोजन किया गया। यह प्रयास हरियाणा और अफ्रीका के बीच स्थायी आर्थिक कारोबार और द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण के लिए एक मज़बूत आधार प्रदान करेगा।

विदेशी निवेश को मिलेगा बढ़ावा

केंद्रीय विदेश मंत्रालय के परामर्श पर हरियाणा सरकार के तत्वावधान में राज्य के विदेश सहयोग विभाग द्वारा 'गो ग्लोबल अप्रोच के माध्यम से हरियाणा को बदलना' शीर्षक के तहत आयोजित इस कॉन्क्लेव में 12 अफ्रीकी राष्ट्रों नामतः मलावी, मोजाम्बिक, तंजानिया, मेडागास्कर, नाइजीरिया, इरिट्रिया, जिम्बाब्वे, युगांडा, सेनेगल, केन्या, इथियोपिया और घाना के राजदूतों एवं वरिष्ठ दूतावास अधिकारियों और हरियाणा के मंत्रियों एवं उच्चाधिकारियों ने भाग लिया। अतः यह कॉन्क्लेव निश्चित रूप से मौजूदा और संभावित व्यापार भागीदारों के साथ व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए देश-वार रणनीतियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संस्कृति का होगा आदान-प्रदान

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार विभिन्न क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों के साथ सहयोग की रूपरेखा विकसित करने, भाईचारा बनाए रखने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और लोगों से लोगों के मध्य पारस्परिक संबंध बढ़ाने की दिशा में सहयोग करने की इच्छा रखती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य में बहुत संभावनाएं हैं, जो आप सभी को हरियाणा की विकास गाथा का हिस्सा बनने के लिए व्यापक अवसर प्रदान करता है। मुझे विश्वास है कि हरियाणा अफ्रीका सम्मेलन श्रृंखला-1 की चर्चा सामाजिक आर्थिक विकास के लिए हरियाणा अफ्रीका संबंध मज़बूत बनाने में मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा-अफ्रीका अलग नहीं है। हमारा संघर्ष का इतिहास, संस्कृति का आधार, जीवन शैली, पारिवारिक व्यवस्था, ज़रूरतें, क्षमता, विश्व को देखने की दृष्टि, समाज की सेवा करने की इच्छा और प्रकृति समान हैं, इसलिए हमें सतत् सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक भागीदार के रूप में एक साथ आना चाहिए। दुनिया को सहयोग की ज़रूरत है, प्रतिस्पर्धा की नहीं। हम आपसी सहयोग और समन्वय के लिए हमेशा तैयार और उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए हरियाणा के साथ व्यापार करना आसान और अधिक आकर्षक बनाएगी। हमारे पहले से ही अफ्रीका के साथ महत्त्वपूर्ण व्यापारिक संबंध हैं और हम अफ्रीका में काम करने के लिए अपने उद्योग का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि इस औद्योगिक क्रांति में पूंजी से ज़्यादा प्रतिभा का महत्व है। इसलिए हमें आर्थिक विकास में निवेश करने की आवश्यकताओं के साथ-साथ मानव पूंजी के विकास में निवेश करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। नए अवसरों का उचित उपयोग नौकरी ढूंढने वालों को नौकरी देने वाला बना सकता है।

- संवाद ब्यूरो

हरियाणा में मानव रहित फाटक नहीं रहेगी, इसको लेकर काम चल रहा है। 48 साल में महज 64 रेलवे ओवर ब्रिज और रेलवे अंडर ब्रिज बनाए गए जबकि वर्तमान सरकार ने 7 साल में 56 रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज बनाए।

राज्य सरकार ने निजी शैक्षणिक संस्थानों को संपत्ति कर में एक वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया है। इससे राज्य में स्थापित निजी शैक्षणिक संस्थानों को 23.50 करोड़ रुपए का संपत्ति कर (प्रोपर्टी टैक्स) का लाभ होगा।

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना

डॉ. चंद्र त्रिखा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 50,000/- रुपए वार्षिक से भी कम है को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए एक नई योजना 'मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान' योजना आरंभ की गई है जिसके अंर्तगत परिवार पहचान पत्र के डाटाबेस से लाभार्थियों को चिह्नित करके उन्हें विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के माध्यम से लाभ प्रदान करते हुए उनकी वार्षिक आय में वृद्धि करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस योजना से अंर्तगत लाभार्थियों से विचार-विमर्श करने हेतु व उन्हें विभिन्न विभागों की योजनाओं बारे जानकारी प्रदान करने हेतु खंड स्तर व निगम स्तर निगम स्तर पर कैंप का आयोजन किया गया। इन कैंप में आए हुए लाभार्थियों में से चार महिलाओं द्वारा बताया गया कि उनके पति की मृत्यु के उपरांत उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए स्वरोज़गार के अंर्तगत भैंस पालन के कार्य को करने की इच्छुक हैं जिनके लिए उन्हें ऋण की आवश्यकता है।

इन महिलाओं से अतिरिक्त उपायुक्त, यमुनानगर, जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, यमुनानगर व जिला अग्रणी बैंक अधिकारी द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई व उसके पश्चात् अतिरिक्त उपायुक्त, यमुनानगर, जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, यमुनानगर व जिला अग्रणी बैंक अधिकारी द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई व उसके पश्चात् अतिरिक्त उपायुक्त महोदया के प्रयासों से जिला अग्रणी बैंक अधिकारी द्वारा इन महिलाओं को दूध की बिक्री हेतु चार महिलाओं में से तीन महिलाओं द्वारा ऋण हेतु सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शेष 1 महिला द्वारा करियाना के कार्य के लिए आवेदन दिया गया है जिसके लिए ऋण की स्वीकृति प्रदान करने की कार्यवाही प्रगति पर है। जिन तीन महिलाओं को बैंक द्वारा ऋण की राशि प्रदान कर दी गई है।

बैंक द्वारा इन महिलाओं को जो ऋण प्रदान किया गया है उसके लिए कोई सिक्योरिटी नहीं ली गई है। इस योजना के अंर्तगत बैंक द्वारा ऋण प्रदान किए जाने की तिथि से तीन माह के पश्चात ऋण की राशि की किस्त आरंभ की जाएगी व इस ऋण पर लगने वाले ब्याज की राशि का भुगतान प्रत्येक तीन माह के पश्चात् महिला विकास निगम द्वारा बैंक को किया जाएगा। महिला विकास निगम द्वारा अधिकतम 50,000/- रुपए तक के ब्याज की राशि की प्रतिपूर्ति की जाएगी। जिन महिलाओं को इस योजना के अंर्तगत ऋण की राशि प्रदान की गई

है।

साहिदा ने शुरू किया भैंस पालन

सहिदा के पति नसीम खान की बीमारी के कारण मृत्यु हो चुकी है। उसके चार बच्चे, दो बेटे और दो बेटियां है। आमदनी का कोई साधन नहीं है विधवा पेंशन आती है और थोड़ी बहुत मदद गांव वाले कर देते हैं। घर की छत व दीवारें कच्ची हैं, टीन डाली हुई हैं। बरसात में पानी टपकता है कैंप में साहिदा को सरकार द्वारा महिला विकास निगम द्वारा विधवा महिला हेतु चलाई जा रही योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई और हिम्मत कर के उसने भैंस पालन के कार्य को व्यवसाय के रूप में अपनाने का फैसला लिया। उसे साक्षात्कार के लिए अतिरिक्त उपायुक्त महोदया से मिलने उपरांत व महिला विकास निगम द्वारा संचालित की जा रही स्कीम बारे जानकारी प्राप्त करने उपरांत सहिदा द्वारा दूध की बिक्री हेतु भैंस के ऋण को प्राप्त करने बारे सहमति जताई गई।

भारतीय स्टेट बैंक की खिजराबाद शाखा द्वारा सहिदा को दो भैंस पालन के लिए 1.60 लाख रुपए ऋण प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गई, इस ऋण पर ब्याज की राशि की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति महिला विकास निगम द्वारा की जाएगी। दिनांक 20.10.2021 को सहिदा को गठित कमेटी द्वारा एक भैंस खरीद करके दे दी गई है व नियमानुसार दूसरी भैंस 6 माह के बाद दे दी जाएगी। सहिदा द्वारा दूध बेचने का कार्य शुरू कर लिया गया है व प्रतिदिन आठ-दस लीटर दूध की बिक्री भी की जा रही है। दूध की बिक्री से सहिदा की मासिक कार्य 15,000 /- के लगभग हो जाएगी। वह सरकार द्वारा चलाई गई इस योजना से बहुत खुश है क्योंकि इस योजना के कारण उसके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होना आरंभ हो गया है।

पमो देवी ने भी शुरु किया दूध का कारोबार

पम्मो देवी 'मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान' योजना के अंतर्गत आयोजित किए गए कैंप के दौरान संपर्क में आई। उसके साथ बातचीत के दौरान पता चला कि पम्मो देवी के पति नजीर को गले का कैंसर था। जिससे लड़ते-लड़ते और गरीबी के कारण समय रहते सही ईलाज न मिलने के कारण उसके पति की मृत्यु हो गई। यह वर्ष 2018 में घटित हुआ। उसकी चार बेटियों में से तीन की शादी हो चुकी है। अब घर में आय का कोई भी साधन नहीं है। उसकी एक बेटी कुंवारी है। जिसको वह पढ़ा भी नहीं पाई उसके पास घर स्वयं का है तथा भैंस बांधने की जगह भी है। कैंप के दौरान पम्मो देवी को महिला विकास निगम द्वारा विधवा महिलाओं की सहायतार्थ सरकार द्वारा चलाई योजना के बारे में विस्तार से बताया गया।

योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करने के पश्चात पम्मो देवी द्वारा भैंस पालन के कार्य के लिए आवेदन करके अपने पैरों पर खड़ा होने की इच्छा जताई गई। यह योजना के अंर्तगत पम्मो देवी से महिला विकास निगम में आवेदन करवाया गया व साक्षात्कार करके उपरांत ऋण हेतु सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण करवाकर स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र बैंक में भेजा गया।

भारतीय स्टेट बैंक की प्रताप नगर शाखा पम्मो देवी को दो भैंस पालन के लिए 1.60 लाख रुपए ऋण प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की गई, इस ऋण पर ब्याज की राशि की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति महिला विकास निग द्वारा की जाएगी। व दिनांक 20.10.2021 को पम्मो देवी को गठित कमेटी द्वारा एक भैंस खरीद करके दे दी गई है व नियमानुसार दूसरी भैंस छह माह के बाद दे दी जाएगी पम्मो देवी द्वारा दूध बेचने का कार्य शुरू कर लिया गया है व प्रतिदिन आठ-दस लीटर दूध की बिक्री भी की जा रही है। दूध की बिक्री से श्रीमति पम्मो देवी की मासिक आय 15,000 /- के लगभग हो जाएगी। वह सरकार द्वारा चलाई गई इस योजना से बहुत खुश है क्योंकि इस योजना के कारण उसके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होना आरंभ हो गया है।

हरियाणा पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग द्वारा गलघोंटू व मुंहखुर टीकाकरण अभियान के तहत पशु चिकित्सकों के नेतृत्व में 28 टीमों द्वारा घर-घर जाकर पशुओं के टैग लगाकर टीकाकरण किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन भी ऑनलाइन किया जा रहा है।

गरीब परिवारों की आय बढ़ाने व उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेशभर में अंत्योदय ग्रामोदय मेले लगाएं जाएंगे। इन मेलों में ऐसे परिवारों को स्वरोज़गार से जोड़ा जाएगा।

गन्ने का रेट सबसे ज़्यादा

करनाल चीनी मिल की क्षमता को 2200 टीसीडीसी से बढ़ाकर 3500 टीसीडीसी कर दिया गया है। करनाल व आस-पास के किसानों को गन्ना लेकर कहीं और नहीं जाना पड़ेगा, यदि मिल को ज़्यादा चलाने की ज़रूरत भी पड़ेगी तो उसे चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कहा कि हरियाणा में गन्ने का रेट देशभर में सबसे ज़्यादा है उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि हरियाणा में गन्ने का रेट सर्वाधिक ही रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 11 सहकारी चीनी मिल है। इन चीनी मिलों का घाटा कम करने के लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। इन मिलों में बिजली उत्पादन संयत्र और एथनॉल संयत्र लगाए जा रहे हैं। एथनॉल के संयत्र लगने से देश को विदेशी मुद्रा का लाभ मिलेगा। सरकार चीनी मिलों को विस्तारित करने में 660 करोड़ रुपए लगा रही है। धीरे-धीरे सभी सहकारी चीनी मिलों में बिजली उत्पादन संयत्र और एथनॉल संयत्र लगाए जाएंगे। इससे चीनी मिलों की आमदनी बढ़ेगी और घाटा कम होगा।

फसल मुआवजा राशि 15 हजार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए फसल ख़राब होने पर दी जाने वाली मुआवजा राशि को 12 हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए और 10 हजार राशि को बढ़ाकर साढ़े 12 हजार रुपए कर दिया है। इसके साथ-साथ इससे नीचे के स्लैब में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा भी की है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा करनाल में 263 करोड़ रुपए की लागत से बने आधुनिक सहकारी चीनी मिल के शुभारंभ के दौरान की।

खाद की कमी नहीं आने दी जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को गेहूं व सरसों की बिजाई में खाद की कमी नहीं आने दी जाएगी। लगातार केंद्रीय मंत्री से बातचीत कर खाद की आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा रहा है। हर दिन की मांग के मुताबिक पर्याप्त खाद हरियाणा पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

पराली न जलाए किसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को पराली नहीं जलानी चाहिए। इससे प्रदूषण बढ़ता है। सरकार पराली न जलाने वाले किसानों को एक हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसके अलावा रैड जोन इलाकों में जो पंचायतें पराली न जलाने का सर्टिफिकेट दे रही हैं उन्हें 10 लाख रुपए की विकास अनुदान राशि भी दी जा रही है।

चीनी मिल के पिराई सत्र का शुभारंभ

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने पानीपत सहकारी चीनी मिल के 65वें पिराई सत्र का शुभारंभ करते हुए कहा कि मिल द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए 60 लाख क्विंटल (नई व पुरानी चीनी मिल) गन्ने की पिराई का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई से पूर्व की गन्ना किसानों की सभी तरह की बकाया पेमेंट कर दी गई है और आगे भी पेमेंट देने में अधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

बागवानी में 'स्टैकिंग विधि'

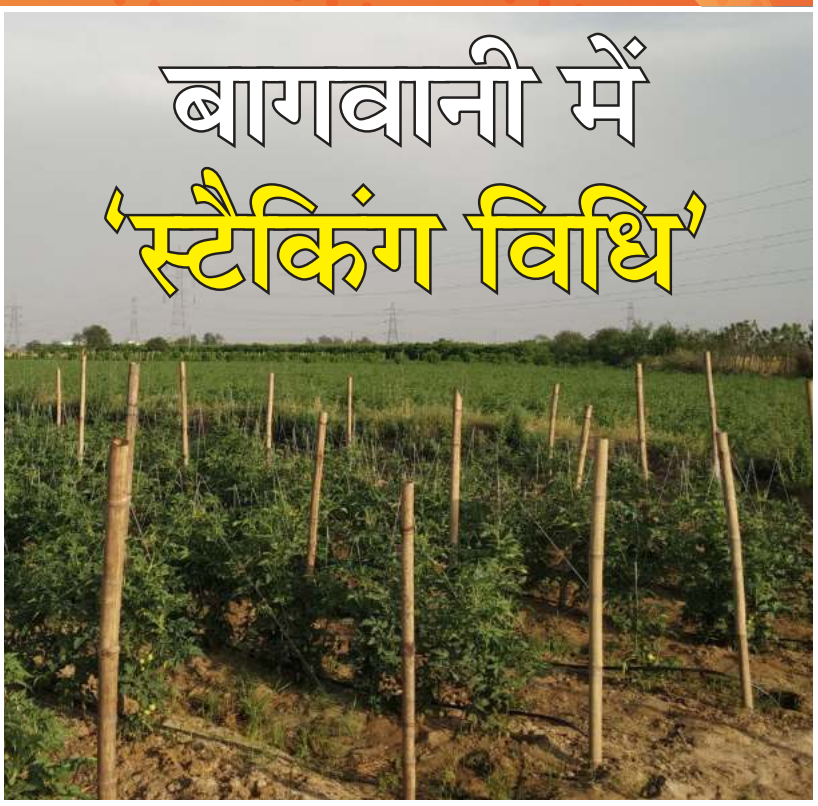

आधुनिक युग में खेती में नई-नई तकनीकों का आविष्कार किया जा रहा है। इस तकनीकों का इस्तेमाल करके किसान अधिक मुनाफ़ा व फैसलों की पैदावार ले सकते हैं। इनमें से एक 'स्टैकिंग' विधि। सब्ज़ियों की खेती में इस विधि को अपनाकर किसान बहुत लाभ कमा रहे हैं।

अनुदान की सुविधा

हरियाणा सरकार द्वारा सब्ज़ियों में बांस स्टैकिंग व लोहे की स्टैकिंग का प्रयोग करने के लिए किसानों को 50 से 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को बागवानी पोर्टल horthar-yanaschemes.in ऑनलाइन आवदेन करना होगा। बांस स्टैकिंग व लौह स्टैकिंग पर अलग-अलग अनुदान दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा बांस स्टैकिंग की 62,500 रुपए प्रति एकड़ लागत पर 31,250 से लेकर 56,250 रुपए तथा लौह स्टैकिंग की एक लाख 41 हजार रुपए प्रति एकड़ लागत पर 70,500 से लेकर एक लाख 26 हजार रुपए तक अनुदान किया जा रहा है। दोनों तरह की स्टैकिंग पर अधिकतम अनुदान क्षेत्र एक से 2.5 एकड़ है।

इस तकनीक में बहुत ही कम सामान का प्रयोग होता है। इसमें बांस व लोहे के सहारे तार और रस्सी का जाल बनाया जाता है। रेवाड़ी जिला के कंवाली गांव के प्रगतिशील किसान व किसान उत्पादक संगठन 'डहिना' के यशपाल टमाटर, तोरी, करेला, घीया की बांस व लोहे स्टैकिंग तकनीक से फसल की पैदावार ले रहे हैं।

-संगीता शर्मा

बागवानी के लिए अनुदान

हरियाणा सरकार की ओर से किसानों की आय को दोगुणा करने और उन्हें बागवानी के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए बागवानी विभाग के माध्यम से अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। बागवानी फसलों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सरकार द्वारा बागवानी बीमा योजना चलाई जा रही है। यह योजना किसानों को सब्ज़ियों, फलों व मसालों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले जोखिम से मुक्त कर फसल लागत की भरपाई करने में कारगर साबित होगी।

किसानों को अमरूद के बाग लगाने पर 11,500 रुपए, नींबू के बाग लगाने पर 12,000 रुपए और आंवला के बाग पर 15,000 रुपए की राशि सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाती है। इस अनुदान योजना के तहत एक किसान 10 एकड़ तक बाग लगा सकता है। योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान जमीन के कागजात, बैंक कॉपी व आधार कार्ड के साथ जिला बागवानी कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। जिन किसानों ने एकीकृत बागवानी विकास मिशन के नियमों के अनुसार वित्त वर्ष 2021 में अमरूद, आंवला व नींबू के बाग लगाए हैं, वे भी अनुदान राशि के लिए अपना आवेदन कर सकते हैं।

मशरूम उत्पादन से खासा मुनाफ़ा

कुरूक्षेत्र के बाखली गांव के किसान सुल्तान ने सफेद बटन मशरूम की खेती की है। उनके पास मशरूम उत्पादन की वो सभी तकनीक हैं जो इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। इस कार्य में उन्होंने विभिन्न बैंकों से ऋण लेकर करोड़ों रूपये

की लागत से प्रोसेसिंग यूनिट, कंपोस्ट यार्ड व मशरूम का बीज तैयार करने के आधुनिक यंत्र स्थापित कर सही दिशा में कदम बढ़ाया है। राज्य सरकार व बागवानी विभाग ने भी इस कार्य में विभिन्न उपकरणों पर 35 प्रतिशत अनुदान देकर उनका सहयोग किया है।

उन्होंने हैक एग्रो मुरथल व डीएमपी सोलन से सप्ताह भर का प्रशिक्षण लिया है। प्रेरित होकर आसपास के करीब 150 किसानों ने मशरूम उत्पादन में कदम रखा है। बताया कि एक शैड तैयार करने पर करीब सवा 2 लाख रूपए खर्च आता है जिसमें करीब 50 क्विंटल मशरूम का उत्पादन होता है जिसकी मार्केट में 70 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक्री होती है। खर्च निकालकर खासी कमाई हो जाती है। मार्केटिंग के लिए उन्होंने टेस्टी फूड से एक साल का कांटेक्ट किया है। वह किसानों की मशरुम खरीदते भी है और बेचते भी हैं। यदि किसान खेत में दो बैग यूरिया के डालते हैं व एक बैग मशरूम केंद्र की मिटटी का डालें तो कई गुणा काम करती है।

-सुरेंद्र सिंह मलिक

गेहूं की अच्छी पैदावार के लिए सही समय पर बीजाई

गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल ने बताया कि गेहूं की बिजाई करने का समय शुरू हो गया है। इसमें अगर किसान सही और अच्छा उत्पादन देने वाली गेहूं की किस्मों का चुनाव करना चाहिये। गेहूं डब्ल्यूएच-1270, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू- 187, एचडी-3226, एचडी-2965, डब्ल्यूएच- 1021, डब्ल्यूएच- 1224 बेहतर किस्में हैं। डीबीडब्ल्यू 303 अगेती किस्म है। यह किस्म चपाती के लिए सर्वोतम किस्म है, जिसमें प्रोटीन 12 पीपीएम, जिंक 42 पीपीएम व आयरन 43 पीपीएम है।

पंचकूला कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राजेश कहते हैं की किसानों को गेहूं की अच्छी बिजाई के लिए किसानो को एक एकड़ खेत में कम से कम 40 किलो गेहूं का बीज डालना चाहिये। यदि किसी कारण से बिजाई पछेती की जाती है तो उसमें 40 किलो की जगह 50 किलो बीज भी डाल सकते हैं। किसान के लिए मशीन से सीधी बिजाई करना फायदेमंद है। इससे किसान प्रति एकड़ 3 से 5 हजार रुपये की बचत कर सकते है और फानों का प्रबंधन भी हो जाता है। बेरी खंड के कृषि विकास अधिकारी डॉ.रमेश लाठर ने बताया कि सही समय पर बिजाई का समय एक नवंबर से 25 नवंबर तक जबकि पछेती बीजाई के लिए समय 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक माना जाता है।

राज्य के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए फरीदाबाद के सिविल अस्पताल में 200 बिस्तरों वाले 'मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) ब्लॉक' के निर्माण को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है।

हरियाणा फिंगरप्रिंट ब्यूरो की टीम ने 28-29 अक्तूबर को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली में आयोजित 22वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट ब्यूरो निदेशक सम्मेलन में तीसरा स्थान हासिल किया है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए ज़रूरी पौधारोपण

जीवन संपदा है आबोहवा

मनोज प्रभाकर

पर्यावरण को बचाने के लिए एक ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों का मंथन चल रहा था, दूसरी ओर सूबे के कुछ खेतों में पराली जलाई जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और प्रशासनिक प्रयास के बावजूद इस तरह की घटनाएं दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। दिवाली के आस-पास दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा व पंजाब की हवा में खतरनाक स्तर तक प्रदूषण फैल गया। राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की वजह से हालांकि पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी देखी गई लेकिन दूर दराज के क्षेत्रों में कुछ किसानों ने पराली से निपटने का यही तरीका अपनाया।

इस दौरान सांस व दमे के मरीजों को काफी परेशानी हुई। बहुतों ने घरों से बाहर निकलना मुनासिब नहीं समझा और बहुतों ने डाक्टरों की शरण ली। सड़क किनारे हुई आगजनी की वजह से कुछेक दुर्घटनाएं भी हुई। पराली जलाने वालों ने कोई परवाह नहीं कि धूएं की वजह से किसी के सांसें अटक जाएंगी। पड़ौसी प्रांत पंजाब की ओर से भी ज्यादा धुआं बहने की शिकायतें सुनने को मिली।

आबोहवा वहां की ज़्यादा खराब हुई जहां पेड़े पौधे अपेक्षाकृत कम हैं। पर्यावरण बिगड़ने की वजह केवल पराली जलाना ही नहीं है। इसकी कुछ और भी वजह हैं जिनकी वजह से पर्यावरण में कार्बनडाइआक्साइड की मात्रा बढ़ती है और आक्सीजन की मात्रा कम होती है। यह समय पर्यावरण बिगाड़ने वाले सभी कारकों की पहचान करने तथा उनका उन्मूलन करने का है।

केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर अमल करना हम सबका दायित्व है। इस दायित्व को अगर कोई व्यक्ति या वर्ग किसी सियासी या अन्य पहलू के दृष्टिगत लेता है तो वह सरकार का नहीं, खुद का तथा इस मानव जाति का कसूरवार कहलाएगा। आने वाले पीढ़ियों को संकट में डालने का दोष उसका होगा न कि

किसी और का। कोरोना महामारी के दौरान आक्सीजन की महत्ता का पता लग चुका है।

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण को बहुत महत्व दिया गया है। मानव जीवन को हमेशा मूर्त या अमूर्त रूप में पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, सूर्य, चंद्र, नदी, वृक्ष एवं पशु-पक्षी आदि के सहचर्य में ही देखा गया है। हमारे पूर्वजों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति, पेड़-पौधे, नदी, पहाड़ आदि को देवी-देवताओं का दर्जा दिया था। वेदों एवं ग्रंथों में पृथ्वी को मां का दर्जा दिया है। भारतीय संस्कृति में ऋषि मुनियों ने नित्य यज्ञ की परंपरा अपनाई थी, वहीं वृक्ष लगाने को पुण्य कार्य माना गया है।

राजकीय प्रयास

हरियाणा में पंचायत की 8 लाख एकड़ भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि पर पेड़-पौधे लगाए जाने की योजना है जिसका नाम ऑक्सी वन होगा। एक वर्ष में लगे सभी पेड़ों का नाम भी ऑक्सी वन रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्राण वायु देवता के नाम से 75 साल से ऊपर के वृक्ष के रखरखाव के लिए 2500 रुपये प्रतिवर्ष पेंशन योजना शुरू की है जिसका दूसरे प्रांत भी अनुसरण करने लगे हैं। इस पेंशन में भी बुढ़ापा सम्मान पेंशन की तरह हर वर्ष बढ़ोतरी होगी। प्राकृतिक ऑक्सीजन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के हर गांव में पंचवटी के नाम से पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा खाली जमीन पर एग्रो फोरेस्टी को भी बढ़ावा दिया जाएगा ताकि ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत की आय बढ़े। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहरों में 5 एकड़ से 100 एकड़ तक की भूमि पर ऑक्सी वन लगाए जाएं। पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए पौधागिरी नाम से एक योजना शुरू की गई है।

पंचवटी का महत्व

पंचवटी का सांस्कृतिक, पौराणिक और पर्यावरणीय महत्व है। पंचवटी का शाब्दिक अर्थ है पांच पेड़। ये पेड़ हैं बरगद़, पीपल, बिलवा आंवला और सीता अशोक। मुख्यमंत्री के मुताबिक भारतीय वास्तु के अनुसार, पंचवटी में इन पेड़ों को अलग-अलग दिशाओं में लगाया जाएगा। कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल और पानीपत जिलों में स्थित सभी 134 कुरुक्षेत्र तीर्थों में ऐसे पंचवटी वाटिकाएं स्थापित की जाएंगी।

खुशबू वाले पेड़ पौधे

राज्य सरकार की योजना पार्कों में औषधिय पौधे लगाने की है। पार्क के विभिन्न घटक हैं, 'चित वन' में कचनार, अमल्तास, प्राइड ऑफ इंडिया, सीमल, इंडियन कोरल, सीता अशोक, जावा कैसिया, लाल गुलमोहर, गोल्डन शावर, पैशन फ्लावर, आदि जैसे सजावटी और विभिन्न मौसमों में खिलने वाले फूलों के पौधे होंगे। 'पाखी वन' में पीपल, बरगद, पिलखान, नीम आदि जैसे पौधे होंगे। 'अंतरिक्ष वन' में पलाश/ढाक, कटहल, गुल्लर, आंवला, कृष्ण नील, चंपा, खैर, बिलवा(बेल), आदि, जैसे भाग्य बढ़ाने वाले पौधे लगाए जाएंगे। 'आरोग्य वन' में तुलसी, अश्वगंधा, नीम, एलोवेरा, हरड़, बहेड़ा, आंवला, आदि जैसे औषधीय पौधे होंगे। 'सुगंध वाटिका' में सुगंधराज, चमेली, रात की रानी(नाइट क्वीन), डे किंग, पारिजात, चंपा, गुलाब, हनी सक्ल, पासिफ्लोरा आदि के सुगंधित पौधे होंगे।

गुरु नानक की समन्वयशीलता

मानव प्रेम ही सच्चा प्रेम है। अनादि काल से प्राणी सुख आनंद की खोज करने के लिए प्रयासरत है। अप्रितम वैज्ञानिक उन्नति के सुख-सुविधा के अथाह साधन मानव के समक्ष रख दिए हैं। जब भी मानव का सामना मन की प्रतिकूल परिस्थितियों से होता है वह हताश, निराश व पराजित सा महसूस करता है। उसका आशावादी रवैया उसे ईश्वर की भक्ति की ओर उन्मुख कर देता है। अध्यात्म एक ऐसा भाव है जो मानवीय गुणों में परस्पर प्रेम की नींव रखने में सहायक होता है। सच्ची भक्ति व आराधना भी मानवता में निहित है। मानव की समन्वयशील और उदार प्रवृत्ति, उसकी अद्भूत संगठन शक्ति, क्षमाशीलता और दूरदर्शिता ही दुख की अग्नि में जलती मानवता को शीतलता प्रदान करती है। युगों युगों से जब-जब धरा निजी स्वार्थपरता या घिनौनी मानसिकता से झुलसी है तब-तब किसी नेक मानव ने अपने पवित्र विचारों व समन्वयवादी धारणा से मानवता को सही राह दिखाई है। अपने निजी सुख-आराम-चैन को अनदेखा कर प्राणी के दुखी हृदय को ठंडक दी है। शब्द की ताकत हमेशा से सर्वोपरि रही है। राह में अटके भटके हुए पथभ्रष्ट प्राणी को यदि सही समय पर सही शब्दों में समझाने वाला मिल जाए तो उसका जीवन बदल सकता है। महापुरुषों के वचन किसी समाज जाति या देश के लिए धरोहर स्वरूप होते हैं।

हिंदी भाषा का साहित्य अप्रीतम अद्वितीय है, इसका भक्तिकालीन साहित्य तो बेजोड़ है। भक्तिकाल को स्वर्ण युग की संज्ञा प्राप्त है। सभी संत कवियों का दृष्टिकोण समन्वयवादी ही रहा है। बेशक ईश्वर की आराधना निर्गुण या सगुण किसी भी रूप में की गई हो। जब समाज अनेक विसंगतियों कुरीतियों का शिकार था अध्यात्म के नाम पर बाह्याडंबरों का बोलबाला था। हिंदू मूर्ति पूजा करते थे और छुआछूत में विश्वास रखते थे। मुसलमान मस्जिदों में खड़े होकर अल्लाह अल्लाह पुकारते थे,और स्वयं को श्रेष्ठ मानते थे। संतों ने नाम जाप विशेष पर बल दिया और 'अजपा जाप' की धारणा का मार्ग प्रशस्त किया। उनके अनुसार ईश्वर एक है चाहे उसे किसी नाम से पुकारा जाए। नाम ही मुक्ति भक्ति का दाता है।

वे मानसिक भक्ति पर बल देते हैं जो पूर्णता आडंबरविहीन होती है। यहां तक कि नाम जाप के लिए जीह्वा को हिलाने व माला के मनके को फिरने की भी आवश्यकता नहीं है। नानक तो हृदय से जाप करने के अभ्यास का महत्व देते हैं। नानक ने जाति वर्ण के अंतर को दूर करके मानवीय एकता का प्रतिपादन करते हुए सामाजिक समरसता लाने का प्रयास किया। संत साहित्य के भक्त कवियों में गुरु नानक देव का नाम समन्वयवादी व उदार प्रवृत्ति के रूप में जाना जाता है। वे प्राणी मात्र के शिरोमणि बनकर विख्यात हैं। नानक ने 'सहज साधना' पर बल देकर धार्मिक जीवन की दुरुहताओं को भी कम किया। मन व आचरण की पवित्रता, वासनाओं से मुक्ति सच्चे गुरु की कृपा से ही संभव है। नानक भ्रमणशील साधु थे। उन्होंने सभी दिशाओं में यात्रा की और अनेक धर्मो पंथों, मतों के अनुयायियों से मुलाकात की। फलस्वरूप समाज धर्म आदि के संबंध में उनकी विचारधारा अनुभूति समन्वय के भाव पर आधारित है। उन्होंने धार्मिक रुढ़ियों, जाति के संकीर्ण बंधनों तथा आनाचारों के प्रति विद्रोह का स्वर उठाया।

उनके काव्य में निर्गुण ब्रह्म के प्रति उच्च कोटि की भक्ति भावना और मानव के प्रति निश्चल निस्वार्थ प्रेम भावना विद्यमान है। मन की शांति पाने का सरल सहज उपाय नाम जाप ही है। नानक के अनुसार जीवन की सच्ची खुशी सभी परिस्थितियों में सहजता व धैर्य की साथ जीने में है। उनकी रचनाओं में शांत रस की प्रधानता है। कहीं कहीं श्रृंगार व करूण रस का समावेश भी है।

नानक के काव्य में जहां निर्गुण के प्रति उच्च भक्ति भावना है वहां धार्मिक विचारधाराओं के लिए भी अपूर्व श्रद्धा भावना निहित है। जो उनकी समन्वयवादी उदार दृष्टि की पुष्टि करती है। सत्य के प्रति आस्था ने उनकी वाणी में जो स्पष्टता और उद्बोधन की प्रखरता दी है उससे नानक ने जन सामान्य के हृदय पर गहरी छाप छोड़ी है। नानक के अनुसार ईश्वर जिस पर मेहर करता है उसे ही अनुभव करने का अवसर मिलता है। ईश्वर दर्शन का आनंद स्वयं लेने के बाद भी उसकी अभिव्यक्ति संभव नहीं है।

नानक जानै आपे देई, आखहि सि भि केई केई।
जिसनौ बखसे सिफति सालाह,
नानक पाति साही पातिसाहूं।

– डा. राजल गुप्ता, रोहतक

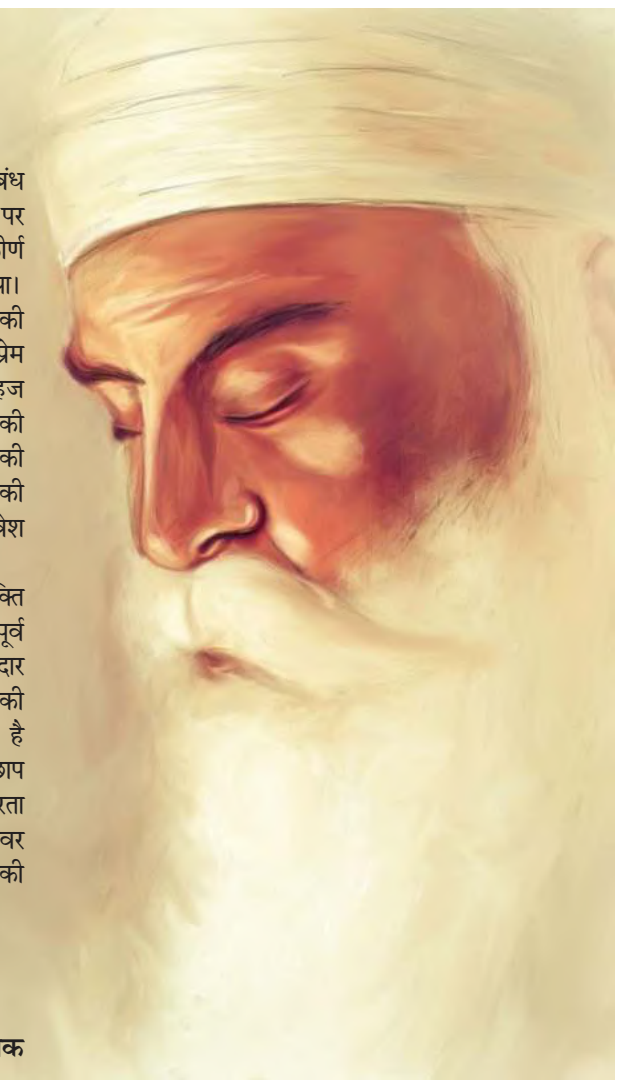

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 'हर खेत-स्वस्थ खेत' मोबाइल-ऐप लांच की गई। इससे किसान-सहायक को मिट्टी का नमूना लेने में सहायता मिलेगी, इससे किला नंबर/खसरा नंबर की जानकारी लेने में आसानी होगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेशभर में दसवीं कक्षा में अव्वल रहने वाली 20 लड़कियों को सम्मानित करते हुए 21 हजार रुपए की राशि का चैक भी दिया। मुख्यमंत्री ने उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी।

मांगेराम ने लख्मीचंद की कर ली ताबेदारी

हरियाणा के विख्यात कवि पंडित मांगे राम का जन्म सोनीपत के गांव सिसाना में 1905 में हुआ। पिता अमर सिंह व माता का नाम धरमो देवी था। मांगे राम अपने चार भाई व दो बहनों में सबसे बड़े थे। पाणची निवासी उनके नाना पंडित उदमीराम ने मांगेराम को गोद लिया था सो वे पाणची में रहने लगे। वे कभी स्कूल नहीं गए परंतु थोड़ा बहुत पढ़ना-लिखना जानते थे। धार्मिक प्रवृति के कारण नाना की रुचि सत्संग-कीर्तन में अधिक थी। नाना की प्रवृति का प्रभाव मांगे राम पर पड़ा और उनका रुझान गीत-संगीत की तरफ होता चला गया।

25 वर्ष की आयु में मांगे राम ने सांग मण्डली में सम्मलित होने की इच्छा प्रकट की, किन्तु घर वालों ने अनुमति नहीं दी। कारण उस समय सांग मंडली को हेय दृष्टि से देखा जाता था। पंडित जी ने युक्ति लगाते हुए घर वालों से कहा कि - 'मनै मोटर चलाणी सीखा द्यो ना तो मैं सांग में रळूंगा'। घर वालों ने दबाव में आकर मांगे को मोटर चलाने का प्रशिक्षण दिलवा दिया। प्रशिक्षण के बाद वे कहने लगे-'मेरे तहिं मोटर खरीद द्यो ईब, नहीं तो सांगी बनूँगा।' घर वालो ने मोटर भी खरीद कर दे दी। बस फिर क्या था पंडित जी मोटर चलाने लग और

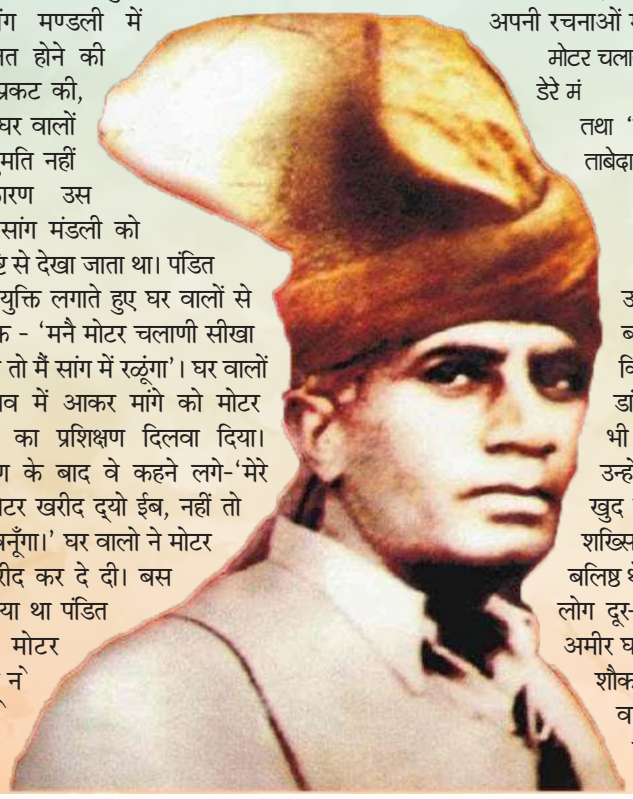

जहां भी पंडित लखमीचंद का सांग होता वही पहुंच जाते। 1933 में घरवालों की इच्छा के विपरीत मांगे राम सांग मंडली में शामिल हो गए और पंडित लख्मीचंद को विधिवत अपना गुरु बना लिया। सांगी जीवन में पदार्पण करते समय मार्ग में आयी बाधाओं का जिक्र करते हुए पंडित मांगे राम कहते हैं -

'पहलम झटके रल्या सांग में घर के आये छो मं
फेर दुबारा घर तै चल्या लिया कलाहवड़ टो मं
सरसा के मा सांग करे थे नबिया आली रो मं
गुरु लख्मीचंद की मेहर फिरी मनैं करगे दर्ज़े दो मं।

पंडित जी ने ड्राइवर से सांगी बनाने के तथ्य को स्वयं अपनी रचनाओं में इस प्रकार कहा है -

मोटर चलायी फेर सांग सिख लिया लख्मीचंद के डेरे मं
तथा 'मांगे राम ने लख्मीचंद की करली ताबेदारी
मोटर चलाई फेर सांग सिख लिया,
संग घुम्या करती लारी'

लख्मीचंद कठोर स्वभाव के थे। उन्हें मंच पर किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होती थी। एक दिन किसी गलती पर उन्होंने मांगे राम को डांट दिया। अब गुरु कठोर है तो शिष्य भी कुछ कम स्वाभिमानी नहीं था। उन्होंने पंडित लख्मीचंद से अलग हो खुद की मंडली बना ली। मांगे राम की शख्सियत कमाल की थी वे शरीर से तो बलिष्ठ थे ही साथ ही उनकी आवाज को भी लोग दूर- दूर से सुनने के लिए आते थे। अमीर घराने से होने के कारण वे पूरी शान-शौकत से रहते थे। सिर पर तुर्रेदार कुल्ले वाला साफा, बदन पर धोती-कुरता जैकेट व कभी-कभी बंद गले का कोट भी पहनते थे। बताते हैं वे प्रायः पिस्तौल से सुसज्जित हो कर सांग स्थल पर पहुंचते थे।

सन 1962 में पंडित जी ने 'गंधर्व सभा' का गठन किया जिसमें उस समय के पांच प्रमुख सांगी- पंडित मांगे राम, पंडित सुल्तान सिंह ,धनपत सिंह, रामकिशन व्यास और चन्द्रलाल उर्फ़ चन्द्रबादी शामिल थे। 'गंधर्व सभा' ने हरियाणा ने घूम-घूम कर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये। सांग-संगीत प्रेम हरयाणवी जनता ने भी 'गंधर्व सभा' द्वारा प्रस्तुत कार्य में को खूब पसंद किया।

मांगेराम की खास बात ये भी है कि उनके भजन रागनियों की धुनों में लोकगीतों की महक आती है। 'गोकुल गढ़ तै री वा चाली गुजरिया हो राम' हो या 'फिर भरण गई थी नीर' हरियाणवी जनमानस के बारे में व रीति रिवाजों के बारे में उनकी गहरी समझ थी नौरत्न किस्से में, जब नौरत्न शादी कर लौटने लगता है और पति-पत्नी जब जहाज में सवार होते हैं तो नौरत्न अपनी पत्नी से पूछता है-

'कोण थी वा फेरयां पर कै औली-सौली जा थी
उठै था सुसाटा जणूं पिस्टल तैं गोली जा थी'

इतने ठेठ अंदाज में अभिव्यक्ति पंडित मांगेराम ही कर सकते थे। इसमें उनका कोई सानी नहीं है। इसी किस्से की एक और रागनी जो बहुत प्रसिद्ध हुई, आज भी है और हमेशा रहेगी।

'जहाज के म्हां बैठ गोरी राम रटकै,
ओढणा संगवाले तेरा पल्ला लटकै'

पंडित जी की एक खास बात और है नायिकाओं के रूप रंग नैन नक्श की तारीफ तो लगभग सभी सांगियों ने की लेकिन एक पुरुष चरित्र के श्रृंगार का वर्णन जैसा पंडित मांगे राम ने किया वैसा कहीं और नहीं मिलता। उदाहरण हीर रांझा किस्से में मिल जायेगा जब कवि कहते हैं-

'बाबा जी तेरी स्यान पै बेमाता चाळा करगी'

पंडित जी ने मानवीय संवेदनाओं को जिस रुप में पेश किया वे काल्पनिक नहीं बल्कि जीवन से जुड़ी लगती हैं। एक यथार्थ उनकी रचनाओं में देखने को मिलता है, सन 1960 में पंडित जी ने गंगा स्तुति विषयक एक रागनी बनाई थी, जिसकी अंतिम कली में क्या कहा भला-

'जा मुक्ति की सीधी राही तेरे बीच नहाने आला
पाणची मं बास करता एक मामूली गाने आला
एक दिन तेरे बीच गंगे यो मांगे राम आने आला
रल ज्यागा तेरे रेत मं कित टोहवैगा संसार'

अदभुत संयोग है कि सात वर्ष बाद 16 नवम्बर 1967 को गंगा स्नान के पावन पर्व पर पंडित मांगे राम गढ़-मुक्तेशवर में गंगा तट पर स्वर्ग सिधार गए। अपने जीवनकाल में उन्होंने 2 दर्जन से अधिक सांगों की रचना की। इसके अलावा उन्होंने बहुत से मुक्तक भजन व उपदेशक भजनों की भी रचना की।

-संवाद ब्यूरो

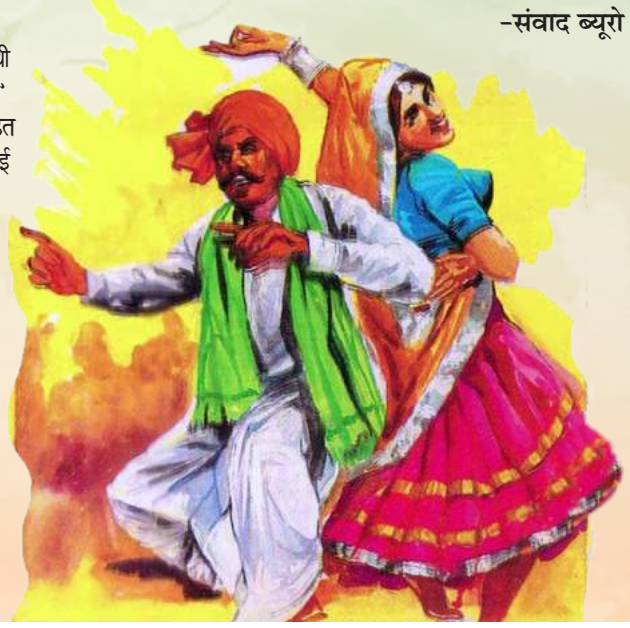

सुण छबीले बोल रसीले

मैं भी कितोड़ पटवारी लाग जाता

छबीला अपने घर मूढ़े पर बैठकर अखबार पढ़ रहा होता है, अंदर से उसकी घरवाली की तेज़ आवाज़ आती है- रलदू के बापू, सुणै सै के?

-हां सुणा, क्यूं कान पाड़ण होरी सै।

-कोरोना का दूसरा टीका किब-सी लागैगा। न्यू पता कर लिए।

-मैं कड़ियां तै पता करूं। तूएं पूछ-पाछ लिए उस गाम आली नर्स तैं।

-बटेऊ, जिब पहला टीका लगवाया था, तेरे मोबाइल में मैसेज आया होगा। उसतैं भी पता लागज्यागा अक कितणे दिन होगे और दूसरा टीका किब सी लागैगा।

-भागवान, इतणा पढ्या लिख्या होता, तो कितोड़ पटवारी नहीं लाग ज्याता।

-आच्छा, तूं मोबाइल में सपना चौधरी के गाने तो जिबै टोह दे सै। टीका किब सी लागैगा इसका मैसेज नहीं टोह सकता।

-देख मैडम, नए फिल्मी गाणां नै तो तूं भी नहीं छोडती। इसी विद्वान सै तो ले यू मोबाइल तूंए देख ले।

-जाए रोए, मैं के पढ़री सूं। पढ़री होती तो तैरै कोन्या आती, मास्टरनी लागकै कितोड़ बढ़िया घर में जाती।

-देख ठोलेदारनी, पहल्यां तो पढ़ाण का काम थारे घर आलां का था। जै थारे घर आलां नै तूं पढ़ा राखी होती तो आज कितोड़ पुलिस में एसआई लाग ज्याती। देख अखबार में, अकेले जींद जिले की 31 छोरी सब इंस्पेक्टर लागगी। वो भी बिना पर्ची और बिना खर्ची। मैं तो न्यू कहूं चाल तनैं भी कालेज में एडमिशन दिवाद्यूं। पढ़- लिख ले किमे ना वार होई सै। तेरी गेल्यां मेरे भी भाग खुलज्यांगे।

-कुछ भी कहिए रलदू के बापू। पर यो बात कुछ हज़म सी कोन्या होती अक बिना पिस्सां और बिना सिफारिश सरकारी नौकरी लागज्यां सैं। पहल्यां की सरकारां में तो ये काम होए कोन्या।

-भागवान, जिन छोरियां का पुलिस में सलेक्शन होया सै, उनके अखबार में फोटू देख। मोबाइल में विडियो देख। क्या उनकी शक्ल तै लागै सै अक उनका ब्यौंत पिस्से देण का होगा? कतई गरीब परिवार की लागै सैं। ब्यौंत आले परिवार की होती, तो तेरे की तरियां गोल मटोल होती। तनैं कदे पढ़ण की जरुरत कोन्या समझी, क्योंके उन दिनां में नौकरी मोल मिल्या करती।

बाहर से रसीला आ जाता है- अरै छबीले के रौला-सा कर रे सो?

-आज्या भाई रसीले, यू तेरी भाभी न्यू कहै सै अक ये जो छोरी पुलिस में सब इंस्पेक्टर लागी सैं, ये आपणी मेहनत तैं कोन्या लागी होंगी।

-भाभी, इस सरकार में नौकरी उनैए मिलै सैं जो काबिल सैं। घणी दूर क्यूं जा सै, मेरे आले छोरे नै देख ले। पढ़ाई करी, पेपरां की तैयारी करी और क्लर्क लागग्या। ना तो म्हारी सिफारिश थी और ना कोई चवन्नी लागी। ये छोरी भी न्यूए लागी सैं और इनतैं पहल्यां जो सरकारी नौकरी लागी सैं सारी बिना पर्ची और बिना खर्ची लागी सैं। उल्टी-सुल्टी बात वे करैं सैं जिनका पढ़णा लिखणा बसका कोन्या और शार्टकट चाहवैं सैं। ईब वो जमाना जा लिया। नौकरी लागणा सै तो पढ़णा पड़ैगा। पहल्यां की तरियां दसवीं पास बालक एसडीओ कोन्या लागैं। मैं तो न्यू कहूं यो खट्टर सरकार जुग-जुग जियो। पढ़णिए और मेहनत करणिये बालकां का राह घाट लिकड्ग्या। नहीं तो परेशान हो लिए थे। मैं आपणे दिनां में खूब पढ़या और नौकरी खतिर पेपर भी दिए। कदे न्यूए नहीं बेरा पाट्या करता अक कौण क्यूकर पास होया और क्यूकर फेल। सिफारिशी सीधे नौकरी लागज्याया करते। उम्र लिकड़गी। फेर वाए बात 'अक मांगेराम नै लख्मीचंद की करली ताबेदारी।'

-हां भाई रसीले, यो बात तो सै। पहल्यां कदे न्यू नहीं बेरा पाटै था अक ये आईएएस और एचसीएस क्यूकर लागैं थे। ईब सारा काम सबकी स्यामी होता दिखाई दे सै।

-छबीले की बहू, ईब वे गूंद के लाड्डू काढ़ल्या जो सांझनै बणाए थे। मेरे कान्या के देखो सो, दूर ताहीं लपट जारी थी।

-मनोज प्रभाकर

कविता

हरियाणा के खेत निराले

जहां गेहूं-गन्ना और चना-चावल,
उपजे हरी सब्जी व मिर्च-मसाले।
कदम-कदम पर अमृत सा पानी,
म्हारे हरियाणा के खेत निराले ।।
बसंत का मौसम सरसों पीली,
मानो ओढ़ी धरा ने चुनर रंगीली।
सुबह का वातावरण बड़ा खामोश,
कोयल कूकते ही भागे खरगोश।
अचानक सूर्य देव के दीदार से,
उड़ जाते पंछी मतवाले।।
कदम-कदम पर अमृत सा पानी,
म्हारे हरियाणा के खेत निराले।।
कार्तिक माह में खिले कपास,
चांदनी रात में जुगनू सा प्रकाश।
यहां सतलुज-यमुना का लगे पानी,
समझो इसे कुदरत की मेहरबानी।
समतल भूमि पर जाल नहरों के,
बने साथ-साथ बरसाती नाले।।
कदम-कदम पर अमृत सा पानी,
म्हारे हरियाणा के खेत निराले।।
सावन-भादो का जब आये महीना,
सूखता नहीं किसान का पसीना ।
करनी हो चाहे धान की रोपाई,
या शुरू हो ज्वार की कटाई।
सच में गर्मी में आनन्द आ जाये,
नजर आवें जिब बादल काले।।
कदम-कदम पर अमृत सा पानी,
म्हारे हरियाणा के खेत निराले।।
जहां गेहूं-गन्ना और चना-चावल,
उपजे हरी सब्जी व मिर्च-मसाले।
कदम-कदम पर अमृत सा पानी,
म्हारे हरियाणा के खेत निराले।।

- बलजीत सिंह,
ग्राम - राजपुरा (सिसाय) हिसार

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com